स्टेम सेल के लिए पीयू के स्टूडेंट्स करेंगे अवेयर

ीयू कैंपस में 11 और 12 अक्टूबर को लगेगा कैंप, दात्री फाउंडेशन लंबे समय से कर रही है स्टेम सेल के लिए काम

सिटी रिपोर्टर | चंडीगढ़

ापके शरीर का एक बहुत छोटा सा हिस्सा किसी दूसरे को जानलेवा बीमारी से बचा सकता है। इसी मकसद के साथ पीयू कैंपस में 11 और 12 अक्टूबर को लगाया जा रहा है ब्लड स्टेम सेल डोनर कैंप। पीयू स्टूडेंट्स और दात्री फाउंडेशन के इस प्रोग्राम में वॉलंटियर्स को ब्लड स्टेम सेल डोनेट करने के लिए रजिस्टर किया जाएगा। इसमें करीब 15 हजार स्टूडेंट्स को स्टेम सेल डोनेशन के लिए जागरूक करने का टारगेट रखा गया है। पीयू में बेशक ये अपनी तरह का पहला कैंप है लेकिन इससे पहले उद्धम इमरजेंसी ब्लड सर्विस एनजीओ के साथ मिलकर ब्लड कैंसर की एक मरीज इशनूर के लिए चंडीगढ़ व पंजाब में कई कैंप लगा चुके हैं। इस मरीज को भी स्टेम सेल उपलब्ध कराने में दात्री मदद कर रही थी। इस समय इशनूर के पिता ने भी स्टेम सेल डोनेशन रेगुलेट करने के लिए ऑनलाइन पिटीशन शुरू की हुई है।

बहुत कम हैं डोनर | कैंप को-ऑर्डिनेट कर रहे पीयू स्टूडेंट्स यूनियन (पुसू) के पूर्व प्रेसिडेंट सतविंदर सिंह उर्फ नवलदीप ने कहा कि ब्लड डोनेशन के लिए तो काफी काम हो रहा है लेकिन ब्लड स्टेम सेल पर ज्यादा काम नहीं हो रहा। एक अरब से अधिक आबादी वाले देश में स्टेम सेल के रजिस्टर्ड डोनर्स की संख्या कुछ लाख में ही है। इसलिए वह इस प्रोजेक्ट से जुड़े। उनका मकसद युवाओं को इस बारे में जागरूक करना है। यदि पहले दो दिन में अच्छा रिस्पॉन्स मिलता है तो इस कैंप को पीयू प्रशासन की इजाजत से आगे भी बढ़ाया जाएगा।

2.81 लाख वॉलंटियर्स हैं रजिस्टर

दात्री के पास ही 1400 से अधिक मरीज ब्लड स्टेम सेल का इंतजार कर रहे हैं। ल्यूकीमिया, थैलीसीमिया, लिम्फोमा आदि मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है। दात्री के पास करीब 2.81 लाख वॉलंटियर्स रजिस्टर हैं और वह 298 डोनेशन करवा चुकी है। 35 डोनेशन उन्होंने इंटरनेशनल पेशेंट के लिए कराई हैं। वह देशभर के 59 अस्पतालों से जुड़ी हुई संस्था है। उनकी संस्था बोन मैरो डोनर्स वर्ल्ड वाइड और वर्ल्ड बोन मैरो डोनर्स एसोसिएशन से भी जुड़ी है।